महिला ड्रग्स तस्कर और इंटेलिजेंस के प्रधान आरक्षक को पकड़ा

- क्राइम ब्रांच और 6 थानों की पुलिस ने रातभर दी दबिश
- बड़े आपराधिक और ड्रग्स नेटवर्क का खुलासा
- महिला का बेटा और नेटवर्क के कुछ अन्य सदस्यों को भी उठाया

इंदौर. पुलिस ने सोमवार तड़के एक बेहद गोपनीय और बड़े ऑपरेशन को अंजाम देते हुए शहर के एक बड़े आपराधिक और ड्रग्स नेटवर्क का खुलासा किया है. इस हाई-प्रोफाइल कार्रवाई की सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि इस अवैध धंधे में लिप्त एक महिला के साथ-साथ पुलिस विभाग का एक प्रधान आरक्षक भी शिकंजे में आया है. पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह और एडिशनल पुलिस कमिश्नर राजेश कुमार सिंह खुद रातभर जागकर इस पूरे ऑपरेशन की लाइव मॉनिटरिंग कर रहे थे.

ऑपरेशन की कमान संभाल रहे डीसीपी क्राइम राजेश त्रिपाठी के निर्देशन में क्राइम ब्रांच और छह थानों की संयुक्त टीमों ने एक साथ दबिश दी. सूत्रों के अनुसार, सबसे पहले पुलिस ने द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में सक्रिय महिला माफिया अलका दीक्षित को हिरासत में लिया. अलका से मिली खुफिया जानकारी के बाद दूसरी टीम ने तुरंत हरकत में आते हुए अहिरखेड़ी इलाके से उसके बेटे जयदीप दीक्षित को दबोच लिया. कार्रवाई यहीं नहीं रुकी, देर रात एक विशेष टीम को औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर भी रवाना किया गया, जहाँ से ड्रग्स कारोबार से जुड़े कुछ और संदिग्धों को उठाया गया है. इन सभी को खजराना थाने लाकर पूछताछ की जा रही है.

महिला माफिया और उसके बेटे से मिली लीड के आधार पर एमजी रोड थाना प्रभारी विजय सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में एक टीम ने पुलिस विभाग के प्रधान आरक्षक विनोद के घर पर छापा मारा. विनोद लंबे समय तक क्राइम ब्रांच में तैनात रह चुका है और वर्तमान में इंटेलिजेंस शाखा में पदस्थ है. छापेमारी के दौरान विनोद के परिजनों ने पुलिस टीम का तीखा विरोध भी किया, लेकिन सख्ती बरतते हुए पुलिस ने विनोद को हिरासत में ले लिया. पुलिस ने मौके से विनोद के बेटे का लैपटॉप और मोबाइल फोन भी जब्त किया है, जिसमें कई महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य मिलने की उम्मीद है.

पूरे ऑपरेशन को बड़े गोपनीय अंदाज में दिया गया अंजाम

कमिश्नरेट पुलिस ने इस पूरे ऑपरेशन को इतना गोपनीय रखा था कि कार्रवाई में शामिल चुनिंदा कप्तानों के अलावा किसी भी अन्य अधिकारी या कर्मचारी को इसकी भनक तक नहीं थी. आरोपियों के आपस में बयान मैच न हो सकें, इसके लिए, अलका, जयदीप, प्रधान आरक्षक विनोद और पीथमपुर से लाए गए संदिग्धों को अलग-अलग थानों और गुप्त स्थानों पर रखकर पूछताछ की जा रही है. पुलिस का दावा है कि इस नेटवर्क की कड़ियां आपस में जोड़ी जा रही हैं. आने वाले दिनों में शहर के कई बड़े सफेदपोशों और तस्करों के नामों का खुलासा हो सकता है।

लंबे समय तक अवैध शराब के धंधे से जुड़ी रही है महिला

मुख्य आरोपी अलका दीक्षित लंबे समय से अहिरखेड़ी और द्वारकापुरी क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार से जुड़ी रही है। इलाके में उसका रसूख इतना था कि कई थाना प्रभारियों के बदलने के बाद भी उसका नेटवर्क कभी प्रभावित नहीं हुआ। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शराब की तस्करी करते-करते अलका ने अनैतिक गतिविधियों और शहर में ड्रग्स सप्लाई के धंधे में भी पैर पसार लिए थे। इस काले कारोबार में उसका बेटा जयदीप उसका मुख्य मददगार था। गौरतलब है कि जयदीप को कुछ समय पहले ही द्वारकापुरी पुलिस ने एक जानलेवा हमले के मामले में भी गिरफ्तार किया था।

काल बनकर दौड़े टैंकर ने मां और दो बच्चों को कुचला, तीनों की मौत

- ड्राइवर को आ गई थी नींद, धार रोड पर हुआ हादसा

इंदौर. धार रोड पर एक बेकाबू टैंकर ने एक हंसते-खेलते परिवार को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भयानक था कि दो मासूम बच्चों ने अपनी मां के साथ तड़पकर मौके पर ही दम तोड़ दिया।

दुर्घटना धार रोड स्थित हाई लिंक सिटी के सामने की है। ग्राम कलरिया के रहने वाले अशोक देवड़ा अपनी पत्नी अनीता (30), दो वर्षीय बेटे रोहन और एक वर्ष की बेटी संतोषी के साथ मोटरसाइकिल से किसी काम के सिलसिले में धार रोड से गुजर रहे थे। पूरा परिवार बाइक पर सवार होकर अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहा था। तभी हाई लिंक सिटी के मुख्य मार्ग के सामने तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाए जा रहे टैंकर के चालक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक का संतुलन बिगड़ गया और अनीता दोनों बच्चों सहित उछलकर सड़क पर जा गिरीं। इसी दौरान अनियंत्रित टैंकर का पहिया उन्हें कुचलता हुआ आगे निकल गया।

रोंगटे खड़े कर देने वाले इस हादसे में सिर और शरीर में गंभीर चोटें आने के कारण अनीता, रोहन (2 वर्ष) और दुधमुंही बच्ची संतोषी (1 वर्ष) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, बाइक चला रहे अशोक देवड़ा भी घायल हो गए। दुर्घटना के बाद राहगीरों की भीड़ जमा हो गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुँची पुलिस ने लहूलुहान हालत में अशोक को तुरंत नजदीकी अस्पताल भिजवाया। घटना की सूचना मिलते ही चंदन नगर थाना पुलिस बल मौके पर पहुँचा। पुलिस ने पंचनामा बनाकर तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया है.

कार में सो रही 4 वर्षीय बच्ची की दम घुटने से मौत

- अपने दादा-दादी के साथ गई थी वर्कशॉप
- लौटते वक्त गाड़ी में ही सोता छोड़ दिया, 3 घंटे बाद मिली बेसुध

नव भारत न्यूज

इंदौर. जूनी इंदौर थाना क्षेत्र की नंदनवन कॉलोनी में लापरवाही का दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां कार में सोती रह गई 4 साल की बच्ची की दम घुटने से मौत हो गई. घटना रविवार दोपहर की है, जब बच्ची अपने परिजनों के साथ वर्कशॉप गई थी और लौटते समय कार में ही सो गई थी.

जानकारी के मुताबिक, हसन नूर की चार वर्षीय बेटी हाजरा दादा-दादी और अन्य बच्चों के साथ कार से वर्कशॉप गई थी. दोपहर करीब 12 बजे वह कार में ही सो गई. घर लौटने पर सभी लोग वाहन से उतर गए, लेकिन बच्ची अंदर ही सोती रह गई और किसी का ध्यान नहीं गया. करीब 3 बजे जब वह घर में नजर नहीं आई तो परिजनों ने तलाश शुरू की. बाद में कार में देखा तो बच्ची बेसुध हालत में मिली. परिजन तत्काल उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर सोमवार को पोस्टमॉर्टम कराया. प्रारंभिक तौर पर गर्मी के कारण कार के अंदर ऑक्सीजन की कमी से दम घुटने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद होगा. थाना प्रभारी अनिल गुप्ता ने बताया कि मामले में जांच शुरू कर दी गई है और परिजनों के बयान लिए जाएंगे. जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी.

होस्टल की पांचवीं मंजिल से गिरे जूनियर डॉक्टर की मौत

- एमजीएम मेडिकल कॉलेज के बॉयज हॉस्टल परिसर में शव मिला
- जबलपुर के रहने वाले थे डॉक्टर, पुलिस जांच में जुटी

इंदौर. शहर के प्रतिष्ठित एमजीएम मेडिकल कॉलेज के बॉयज हॉस्टल में देर रात एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया। जहां मेडिसिन विभाग के फाइनल ईयर के एक पीजी डॉक्टर की हॉस्टल की पांचवीं मंजिल से गिरने के कारण मौत हो गई। डॉक्टर का शव हॉस्टल परिसर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। सूचना मिलते ही संयोगितागंज थाना पुलिस मौके पर पहुँची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस फिलहाल आत्महत्या और हादसा, दोनों ही पहलुओं पर पड़ताल कर रही है।पुलिस के मुताबिक, घटना बीती रात करीब 2 बजे की है। एमजीएम बॉयज हॉस्टल परिसर के ब्लॉक नंबर-5 के पास अचानक कुछ गिरने की आवाज आई, जिसके बाद वहां मौजूद अन्य छात्रों ने जाकर देखा तो परिसर में डॉक्टर का शव लहूलुहान हालत में पड़ा हुआ था। हॉस्टल में सीनियर डॉक्टर की इस तरह मौत की खबर फैलते ही पूरे परिसर और मेडिकल कॉलेज में सनसनी फैल गई। आनन-फानन में इसकी सूचना कॉलेज प्रबंधन और स्थानीय पुलिस को दी गई। मृतक की पहचान डॉ. अमन पटेल (30) के रूप में हुई है.

कुछ ही महीनों में पूरा होने वाला था पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स - डॉ. अमन एमजीएम मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग में फाइनल ईयर के पीजी स्टूडेंट थे और महज कुछ ही महीनों में उनका यह पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स पूरा होने वाला था। बताया जा रहा है कि उन्होंने अपनी एमबीबीएस की पढ़ाई जबलपुर से पूरी की थी और वे मूल रूप से जबलपुर के ही रहने वाले थे। संयोगितागंज थाना पुलिस ने मौके पर पहुँचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और शव को तुरंत पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भिजवाया.

कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है पुलिस को

पुलिस को जांच के दौरान मृतक के पास या कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह मामला आत्महत्या का है या फिर पैर फिसलने की वजह से हुआ कोई हादसा, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और डॉ. अमन के मोबाइल रिकॉर्ड्स व हॉस्टल के अन्य छात्रों के बयान दर्ज होने के बाद ही मौत की असल वजह साफ हो पाएगी.

एक नजर में

पाटीदार समाज के सामूहिक विवाह की रूपरेखा बनाई

महू. इंदौर जिला पाटीदार समाज संगठन और श्री अंबिका पाटीदार समाज सामूहिक विवाह समारोह समिति गवली पलासिया के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिवर्ष अक्षय तृतीया पर आयोजित होने वाले 47वें सामूहिक विवाह का आयोजन 9 मई 2027 को मां अंबिका पाटीदार समाज परिसर गवली पलासिया पर किया जाएगा. विवाह समारोह समिति के अध्यक्ष जीवन केलोत्रा और इंदौर जिला पाटीदार समाज संगठन के मीडिया प्रभारी गणेश भगवान पाटीदार ने बताया कि आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए समाजजनों की एक बैठक गवली पलासिया में आयोजित की गई, जिसमें आपसी विचार विमर्श के बाद आयोजन की सफलता को लेकर कई निर्णय लिए गए. सामूहिक विवाह में पंजीयन के लिए प्रत्येक पक्ष से राशि एक लाख रुपए निर्धारित की गई. सामूहिक विवाह में अधिक से अधिक जोड़ों के पंजीयन का संकल्प भी समाजजनों ने लिया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष बलराम सेठ पाटीदार थे, अध्यक्षता जीवन केलोत्रा ने की. विशेष अतिथि के रूप में रमेश बाबूजी, कैलाश कोटवाल, कमलेश पाटीदार, राकेश पाटीदार, मदनलाल पाटीदार, मनोहर पाटीदार, बलराम सुले, सदाशिव पटेल, डॉ. राजेश पाटीदार, रवि पाटीदार, चतुर्भुज भुवान सुनीता पाटीदार आदि थे. स्वागत भाषण विष्णु पाटीदार ने दिया. संचालन गणेश भगवान पाटीदार ने किया. आभार सुरेंद्र पाटीदार (रंगवासा) ने माना.

सफाई के दौरान नाले में मिला बम

महू. नगर के मोतीमहल चौराहे के पास सोमवार सुबह एक नाले की सफाई के दौरान बम जैसी संदिग्ध वस्तु बरामद हुई. छावनी परिषद के सफाईकर्मी की सूचना पर पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला. सोमवार सुबह करीब 11 बजे छावनी परिषद का सफाईकर्मी धीरज नाले से मलबा हटा रहा था. इसी दौरान उसे लोहे की एक भारी बेलनाकार वस्तु दिखाई दी. बम होने की आशंका पर सफाईकर्मी ने तुरंत काम रोककर उच्चाधिकारियों और महू कोतवाली पुलिस को मामले की जानकारी दी. सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और सुरक्षा के लिहाज से आसपास के क्षेत्र को खाली कराया. दोपहर करीब 1.30 बजे इंदौर से बम निरोधक दस्ता पहुंचा. विशेषज्ञों ने सावधानीपूर्वक संदिग्ध वस्तु को कब्जे में लिया और उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय करने के लिए आर्मी रेंज ले जाया गया. शुरुआती जांच और बनावट के आधार पर इसे सेना का बम बताया जा रहा है. हालांकि, यह नाले तक कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है. कोतवाली थाना प्रभारी राहुल शर्मा ने बताया कि विस्फोटक को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है. ज्ञात हो कि, इसी नाले में बम मिलने की यह दूसरी घटना है. इससे पहले पिछले साल अगस्त माह में भी सफाई के दौरान एक बम बरामद हुआ था. बार-बार घनी आबादी वाले क्षेत्र के नाले में बम मिलने से स्थानीय निवासियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है.

साईंधाम फुटबॉल क्लब के दो होनहार खिलाड़ियों का सम्मान

महू. आर्मी स्कूल में आयोजित अंडर-17 इंटर आर्मी स्कूल सेंट्रल कमांड क्लस्टर फुटबॉल प्रतियोगिता में ग्राम कोदरिया के प्रतिभाशाली खिलाड़ी देब सेन एवं मनन कातिजा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आगामी कमांड प्रतियोगिता हेतु लखनऊ के लिए अपना चयन सुनिश्चित कर जिले, स्कूल, क्लब एवं ग्राम कोदरिया का गौरव बढ़ाया. दोनों खिलाड़ी इंदौर जिला फुटबॉल संघ से पंजीकृत साईंधाम फुटबॉल क्लब में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं. खिलाड़ियों की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर साईंधाम फुटबॉल क्लब द्वारा उनका सम्मान कर उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई. इस अवसर पर क्लब के संरक्षक इंदौरीलाल केलोत्रा, अध्यक्ष अनिल सुले, सचिव एवं कोच प्रवीण कांबले, ओपी बाथम, देवेंद्र पाटीदार, महेंद्र परदेशी, विक्रम शक्तावत, पवन शर्मा सहित क्लब के सदस्यगण उपस्थित रहे.

मुखबिरी करने के शक में युवक पर हमला

- रास्ते में रोककर युवक का ईंट के वार से सिर फोड़ा

इंदौर. पुलिस का मुखबिर होने के शक में एक युवक को एक आरोपी ने रास्ते में रोककर गालीगलौज की. विरोध करने पर आरोपी ने युवक के सिर पर ईंट से हमला कर दिया. इसमें युवक का सिर फट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया.

पुलिस के अनुसार, घटना बाणगंगा क्षेत्र की है। फरियादी आर्यन पिता राजू सूर्यवंशी निवासी सांई सुमन नगर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बीती रात वह अपने दोस्त मनीष गिरी के साथ क्षेत्र के नाके पर चाय पीने के लिए जा रहा था। दोनों दोस्त पैदल-पैदल नाके की तरफ बढ़ रहे थे। जैसे ही वे बाणेश्वरी कुंड के पीछे पहुँचे, वहाँ पहले से मौजूद आरोपी शैलेंद्र चौधरी निवासी सांई सुमन नगर ने उनका रास्ता रोक लिया। शैलेंद्र पुरानी रंजिश और पुलिस की मुखबिरी के शक के चलते आर्यन पर भड़क गया। उसने आर्यन पर पुलिस के लिए मुखबिरी करने का आरोप लगाया और बीच सड़क पर गालियां देना शुरू कर दिया. जब आर्यन ने सरेराह गाली-गलौज करने से मना किया और विरोध जताया, तो आरोपी शैलेंद्र चौधरी आपा खो बैठा। उसने आव देखा न ताव, वहीं जमीन पर पड़ी एक भारी ईंट उठाई और पूरी ताकत से आर्यन के सिर पर दे मारी। ईंट का वार लगते ही आर्यन का सिर फट गया और तेजी से खून बहने लगा। विवाद बढ़ता देख आर्यन के दोस्त मनीष गिरी ने तुरंत बीच-बचाव किया और बीच में आकर आर्यन को बचाया।

चाकू मारकर हत्या का प्रयास करने के आरोपी को चंद घंटों में दबोचा

- पुरानी रंजिश को लेकर किया था जानलेवा हमला

इंदौर. चंदन नगर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी ने शनिवार को दिनदहाड़े एक व्यक्ति पर चाकू से जानलेवा हमला किया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की मदद से आरोपी को दबोचकर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया.

पुलिस के अनुसार, घटना चंदू वाला रोड की है। यहाँ से गुजर रहे फरियादी मेहबूब कुरैशी पिता जब्बार कुरैशी निवासी मिश्रा वाला रोड पर आरोपी सुनील ने अचानक हमला कर दिया। आरोपी सुनील और मेहबूब के बीच पुराना विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते जान से मारने की नीयत से आरोपी सुनील ने लोहे का तेजधार चाकू निकाला और मेहबूब के पेट में घोंप दिया। चाकू लगते ही मेहबूब लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा, जिसे गंभीर हालत में तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उसका उपचार जारी है.

आरोपी को पकड़ने बनाई थी विशेष टीम-दिनदहाड़े हुई इस वारदात को वरिष्ठ अधिकारियों ने गंभीरता से लिया। बदमाशों की धरपकड़ के लिए चंदन नगर थाना प्रभारी तिलक करोले के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने तत्काल घटनास्थल और उसके आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों से मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी की और वारदात के कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी को हिरासत में ले लिया.

आरोपी से घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद

पुलिस गिरफ्त में आए आरोपी का नाम सुनील पिता दयाराम भील निवासी धर्मराज कॉलोनी है। पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी सुनील ने मेहबूब पर जानलेवा हमला करने की बात स्वीकार कर ली है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किया गया लोहे का तेजधार चाकू भी बरामद कर लिया है। पुलिस अब आरोपी से घटना के संबंध में और विस्तृत पूछताछ कर रही है कि इस विवाद में कोई और भी शामिल था या नहीं.

मां चाय देने पहुंची तो फंदे पर लटका मिला बेटा

- युवक ने फांसी लगाकर किया सुसाइड, कारण अज्ञात

इंदौर. आजाद नगर थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपने ही घर में अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया. घटना के समय युवक की पत्नी मायके गई हुई थी.

मृतक का नाम नितेश पिता राजेश (29) निवासी खरवार मोहल्ला, आजाद नगर बताया गया है। नितेश के चचेरे भाई अनिल ने बताया कि कल सुबह जब नितेश की मां उसे रोज की तरह सुबह की चाय देने के लिए उसके कमरे के बाहर पहुंची, तो कमरा अंदर से बंद था। मां ने नितेश को कई आवाजें दीं और दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई हलचल नहीं हुई। अनहोनी की आशंका होने पर परिजनों ने मिलकर कमरे का दरवाजा तोड़ा, तो अंदर नितेश फंदे पर लटका हुआ मिला। परिजनों ने आनन-फानन में नितेश को फंदे से नीचे उतारा और उसे बेसुध हालत में तुरंत नजदीकी अस्पताल लेकर भागे। लेकिन, अस्पताल पहुँचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डॉक्टरों के मुताबिक, अस्पताल लाने से काफी पहले ही युवक की मौत हो चुकी थी। चचेरे भाई के अनुसार, नितेश एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करने के साथ-साथ पार्ट-टाइम में रैपिडो चलाने का काम भी करता था। उसकी पत्नी कुछ दिनों पहले ही अपने मायके रतलाम गई हुई थी। घर में सब कुछ सामान्य लग रहा था, ऐसे में नितेश ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसको लेकर परिवार के लोग हैरान और सदमे में हैं. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

जहर खाकर दी जान

इंदौर. बेटमा इलाके में एक महिला ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मृतका का नाम कंचन बाई पति बंशीलाल (45) निवासी ग्राम धन्नद बताया गया है। बताया जा रहा है कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नही थी। फिलहाल आत्महत्या के कारण पता नही चल सका है। पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है.

दूध लेने जा रहे व्यवसायी को तेज रफ्तार वाहन ने रौंदा, मौत

इंदौर. खुड़ैल इलाके में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से स्थानीय दूध व्यवसायी की मौत हो गई। मृतक का नाम ईश्वर चौधरी निवासी ग्राम दूधिया बताया गया है। ईश्वर क्षेत्र में ही दूध का व्यवसाय करते थे। बीती शाम वे हमेशा की तरह अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर दूध कलेक्शन के लिए घर से निकले थे। ईश्वर चौधरी खुड़ैल थाना इलाके के मुख्य मार्ग से गुजर रहे थे, तभी सामने से आ रहे एक बेहद तेज रफ्तार और अनियंत्रित वाहन के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ईश्वर बाइक समेत कई फीट दूर जाकर सड़क पर गिरे। उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया.

दुकान बेचने के नाम पर मां-बेटे ने की 19 .80 लाख की धोखाधड़ी

- हैंडराइटिंग एक्सपर्ट की रिपोर्ट से जालसाजी हुई साबित

इंदौर. भंवरकुआं क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर में एक कीमती दुकान को बेचने के नाम पर एक व्यक्ति को आरोपी मां-बेटे ने साढ़े उन्नीस लाख रुपये से अधिक की चपत लगा दी। पुलिस की लंबी जांच और तकनीकी साक्ष्यों के बाद आखिरकार आरोपियों पर कानूनी शिकंजा कस गया है.

पुलिस के अनुसार, घटना भंवरकुआं थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर की है। फरियादी मोहम्मद हुसैन पिता नूर मोहम्मद निवासी ट्रांसपोर्ट नगर मेन रोड ने थाने में शिकायती आवेदन दिया था। मोहम्मद हुसैन ने पुलिस को बताया कि आरोपी यास्मीन बी पति आरिफ बेग और उसके बेटे सुल्तान पिता आरिफ बेग दोनों निवासी मैकेनिक नगर ने मिलकर उनके साथ एक सोची-समझी साजिश रची। मां-बेटे ने फरियादी को जाल में फंसाकर ट्रांसपोर्ट नगर स्थित दुकान नंबर 10 को बेचने का सौदा तय किया। फरियादी मोहम्मद हुसैन के मुताबिक, आरोपियों ने एग्रीमेंट तैयार करवाकर दुकान के एवज में उनसे अलग-अलग किश्तों में कुल उन्नीस लाख अस्सी हजार रुपये नकद व अन्य माध्यमों से ले लिए। रकम वसूलने के बाद भी जब आरोपियों ने दुकान की रजिस्ट्री कराने और कब्जा सौंपने में आनाकानी शुरू की, तो फरियादी को ठगी का अहसास हुआ।

जांच में जानबूझकर की गई धोखाधड़ी का खुलासा

शिकायत मिलने के बाद भंवरकुआं पुलिस ने इस पूरे मामले की विस्तृत जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने सौदे से जुड़े अनुबंध पत्र (एग्रीमेंटको जांच के लिए हैंडराइटिंग एक्सपर्ट)के पास भेजा। एक्सपर्ट की जांच रिपोर्ट में यह पूरी तरह साफ हो गया कि एग्रीमेंट पेपर पर आरोपी महिला यास्मीन बी के ही हस्ताक्षर हैं, जिससे यह साबित हो गया कि आरोपियों ने जानबूझकर धोखाधड़ी के उद्देश्य से यह कागजात तैयार किए थे और पैसे ऐंठे थे।

एक नजर में

बुजुर्गों के हक का पैसा या तो गलत हाथों में जा रहा या फिर कागजी प्रक्रियाओं में उलझाकर उनका हक डकारा जा रहा

पात्र हितग्राही भटक रहे, मगर दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा कर कई अपात्र लोग ले रहे वृद्धावस्था पेंशन

इंदौर. वृद्धावस्था पेंशन योजना में भ्रष्टाचार के गंभीर मामले सामने आ रहे हैं, या तो बुजुर्गों के हक का पैसा गलत हाथों में जा रहा है या फिर कागजी प्रक्रियाओं में उलझाकर उनका हक डकारा जा रहा है. भ्रष्टाचार के चलते जहां कई पात्र बुजुर्गों के हक पर डाका डाला जा रहा है, वहीं दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा कर कई अपात्र लोग उम्र या आय प्रमाण पत्र में हेरफेर करके पेंशन ले रहे हैं. 2026 के आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश वरिष्ठ नागरिकों के लिए सबसे असुरक्षित राज्यों में से एक बना हुआ है.

यही नहीं, मृत व्यक्ति या सरकारी कर्मचारियों के परिजनों के नाम से पेंशन जारी होने के मामले भी सामने आए हैं. इंदौर में ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जहाँ कागजी कार्रवाई पूरी न होने के कारण किसी की एक साल तो किसी की दो साल तक पेंशन रुकी रही. दूसरी ओर बुजुर्गों के साथ साइबर ठगी के मामले भी आए हैं. ठग बुजुर्गों को बैंक अधिकारी बनकर कॉल करते हैं और केवाईसी या डेटा अपडेट करने के बहाने उनके बैंक खाते से पैसे निकाल लेते हैं.

ताजा मामला मालवीय नगर क्षेत्र का है, जहां कई असहाय बुजुर्गों की पेंशन पिछले एक से तीन वर्ष से बंद पड़ी है. बुजुर्गों द्वारा कई-कई बार केवाईसी फॉर्म भरकर जमा किए, लेकिन इसके बावजूद न तो बैंक और न ही संबंधित विभाग ने उनकी पेंशन दोबारा शुरू की. देखने में यह भी आया है कि क्षेत्र में कई ऐसे वृद्धजन हैं, जो शारीरिक रूप से कमजोर और कम पढ़े-लिखे होने के कारण ज्यादा भागदौड़ करने में सक्षम नहीं हैं. जानकारी के अभाव में उन्हें हर कार्यालय में धक्के खाने पड़ रहे हैं. बुजुर्गों का आरोप है कि उनकी समस्या के समाधान के लिए न जनप्रतिनिधि उनकी सुनते हैं और न ही संबंधित अधिकारी गंभीरता दिखा रहे हैं. जरूरत इस बात की है कि प्रशासन तत्काल मामले की जांच कर बंद पड़ी पेंशन शुरू कराए, ताकि जरूरतमंद बुजुर्गों को राहत मिल सके.

यह बोले हितग्राही...

पिछले चुनाव हुए थे, उसके एक महीने पहले से पेंशन बंद कर दी गई है. कानों से सुनाई नहीं देता, चल फिर नहीं पाती, बैंक भी गई, लेकिन कुछ नहीं हुआ.

- कस्तूरी बाई (80 वर्ष)

मेरी डेढ़ साल से पेंशन बंद कर दी. बैंक में सात से आठ बार फॉर्म भी भरकर दिए. बैंक कर्मी हमेशा तारीख पर तारीख देते हैं, लेकिन पेंशन दोबारा चालू नहीं करते.

- ग्यारसी बाई (76 वर्ष)

मेरी पत्नी गंभीर बीमारी से पीड़ित है, कच्चा मकान है. बरसात में पानी भर जाता है, मेरी पेंशन बंद कर दी. राशन से बच्चों का नाम काट दिया. पार्षद से निवेदन किया, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला.

- बालकृष्ण मंडलोई (63 वर्ष)